नि: शुल्क

यीशु मसीह वापस आ रहा है

अन्त समय के प्रकाशितवाक्य

खरे उपदेश

बाइबिल अध्ययन के लिए आवश्यक शर्तें

स्रोत और संपर्क:
वेबसाइट: https://www.mcreveil.org
ई-मेल: mail@mcreveil.org

यीशु मसीह सच्चा परमेश्वर
और अनन्त जीवन यही

परन्तु हे दानिय्येल, तू इस पुस्तक पर मुहर कर के इन वचनों को अन्त समय तक के लिये बन्द रख। और बहुत लोग पूछ-पाछ और ढूंढ-ढांढ करेंगे, और इस से ज्ञान बढ़ भी जाएगा॥
दानिय्येल 12:4

हे दानिय्येल चला जा; क्योंकि ये बातें अन्त समय के लिये बन्द हैं और इन पर मुहर दी हुई है। बहुत लोग तो अपने अपने को निर्मल और उजले करेंगे, और स्वच्छ हो जाएंगे; परन्तु दुष्ट लोग दुष्टता ही करते रहेंगे; और दुष्टों में से कोई ये बातें न समझेगा; परन्तु जो बुद्धिमान है वे ही समझेंगे।
दानिय्येल 12:9-10

****

**इससे पहले कि आप इस शिक्षण को पढ़ना शुरू करें,
निम्नलिखित प्रश्न पर कुछ क्षणों के लिए ध्यान करें:**

आप अपने अनंत काल कहां खर्च करेगा?

स्वर्ग में

या

नरक में

**नरक असली है, और यह शाश्वत है।
इसके बारे में सोचो!**

खुश पढ़ने! परमेश्वर स्वयं को आपके सामने प्रकट करे!

चेतावनियों

यह पुस्तक नि: शुल्क है और किसी भी तरह से वाणिज्य का स्रोत नहीं गठित करना सकती है।

आप अपने उपदेशों के लिए, या वितरण के लिए, या सोशल मीडिया पर अपने सुसमाचार प्रचार के लिए भी इस पुस्तक की प्रतिलिपि बनाने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते कि साइट mcreveil.org को एक स्रोत के रूप में उद्धृत किया गया हो, और शिक्षण किसी भी तरह से संशोधित या परिवर्तित नहीं किया गया है।

धिक्कार है शैतान के लालची एजेंटों को जो इन शिक्षाओं को बाजार में लाने की कोशिश करेंगे, और उन सभी दुष्ट लोगों जो वेबसाइट www.mcreveil.org के पते को छिपाकर या संदेश को गलत ठहराकर इन शिक्षाओं को सामाजिक नेटवर्क पर प्रकाशित करना पसंद करते हैं। जान लो कि तुम मनुष्यों के न्याय से बच सकते हो, परन्तु तुम निश्चित रूप से परमेश्वर के न्याय से बच नहीं पाओगे।

विषय-सूची

चेतावनियों.....3
1- परिचय 5
2- शैतान के फँदों.....5
3- संप्रदायों की बाइबल 5
4- द सात (7) पूर्वापेक्षाएँ 6
5- पुराना नियम.....7
6- नया नियम 7
7- रिमार्क 7
8- निष्कर्ष.....8
निमंत्रण.....9

बाइबिल अध्ययन के लिए आवश्यक शर्तें

1- परिचय

प्रभु अपने वचन में, हमें उस चीज़ के विरुद्ध चेतावनी देता है जिसे उसने बुलाने के लिए चुना है ***"और उन मनुष्यों में व्यर्थ रगड़े झगड़े उत्पन्न होते हैं, जिन की बुद्धि बिगड़ गई है और वे सत्य से विहीन हो गए हैं ..."*** 1तीमुथियुस 6:5.

यद्यपि हमें यीशु मसीह के सुसमाचार को पुरुषों के पास लाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ करने के लिए बुलाया जाता है ताकि उन्हें बचाया जा सके, और यद्यपि हमें सभी पुरुषों को परमेश्वर के वचन को समझने में मदद करने के लिए आवश्यक सभी धैर्य दिखाने के लिए बुलाया जाता है, हम वैसे भी नहीं कहलाते हैं परमेश्वर के वचन पर बहस करने के लिए। हमें उस जाल में पड़ने से बचना चाहिए जो शैतान के एजेंट हमेशा हमारे लिए निर्धारित करते हैं, परमेश्वर के वचन को समझने के लिए नहीं, बल्कि हमें विचलित करने के लिए तर्क पैदा करते हैं। हमें किसी भी तर्क से भी बचना अनिवार्य जो शायद ही हमें संपादित करता है।

2- शैतान के फँदों

जैसा कि प्रभु ने पहले ही हमारे सामने प्रकट कर दिया है, जब शैतान के एजेंट हमें उन पापों के जाल में पकड़ने में विफल रहते हैं जो वे हमारे लिए निर्धारित करते हैं, वे हमारे लिए एक और जाल बिछाने का प्रयास करते हैं, जो हमें विचलित करने का जाल है, ताकि हम अपने उद्धार पर, और परमेश्वर के कार्य पर ध्यान केंद्रित न करें। इसलिए हमें बहुत सतर्क रहना अनिवार्य।

अब जब तुम जानते हो कि नरक के एजेंटों ने सत्य को स्वीकार नहीं करने की शपथ खाई है, और अब जब तुम जानते हो कि उनका मिशन तुम्हें नरक में ले जाने के लिए तुम्हें परमेश्वर के मार्ग से दूर करने के लिए सब कुछ करना है, कुछ स्वभाव हैं जिन्हें आपको तब लेना अनिवार्य जब भी आप बाइबल के आसपास के लोगों के साथ किसी भी बहस या चर्चा में शामिल होना चाहते हैं।

हम शैतान के एजेंटों के कारण, उन लोगों के लिए दरवाजे बंद नहीं कर सकते हैं जो परमेश्वर के वचन को बेहतर ढंग से समझने के लिए हमसे प्रश्न पूछते हैं। लेकिन चूंकि हम पहले से नहीं जान सकते हैं कि कौन सीखने के लिए प्रश्न पूछता है और जो विचलित करने के लिए प्रश्न पूछता है, हमें खुले, धैर्यवान और उन सभी लोगों को प्यार और धैर्य के साथ जवाब देने के लिए तैयार होना अनिवार्य जो सीखना चाहते हैं।

शैतान के एजेंटों के जाल में पड़ने से बचने के लिए, जिसका मिशन आपको परमेश्वर के वचन से दूर करना है, यहाँ एक रहस्य है जिसे हम आपके निपटान में डालते हैं। ये सात पूर्वापेक्षाएँ हैं जिन्हें हर बहस से पहले, या हर चर्चा से पहले लोगों पर लगाया जाना अनिवार्य, जब आपको लगता है कि यह बहस या यह चर्चा कुछ फलों देगी।

3- संप्रदायों की बाइबल

इस बात से आश्वस्त होकर कि वे पवित्र बाइबल के द्वारा अपने झूठे सिद्धान्त को सही नहीं ठहरा पाएंगे, कुछ शैतानी संप्रदायों को अपनी बाईबिल बनाने के लिए मजबूर किया गया है। यह कैथोलिक, यहोवा साक्षियों, मोर्मोन और कुछ अन्य शैतानी समूहों का मामला है। कैथोलिक ने उत्पादन किया जिसे वे ***"यरूशलेम बाइबिल"***, और ***"TOB बाइबिल"*** कहते हैं। इसके अलावा, वे पास कुछ अन्य पांडुलिपियां

और पुस्तिकाएं हैं जिनका उपयोग वे अपने अनुयायियों को बेवकूफ बनाने के लिए करते हैं। जेनोवा है गवाहों बनाया है कि वे क्या कहते हैं ***"नयी दुनिया अनुवाद"***। वे भी अपने झुंड को गुमराह करने के लिए कई ब्रोशर का उपयोग करें। यह भी मोर्मोन्स के लिये मामला है, जिन्होंने उत्पादन किया जो वे कहते है ***"मॉरमन की पुस्तक"***।

आपको उन लोगों के साथ बहस या चर्चा को कभी स्वीकार नहीं करना चाहिए जो इन संप्रदायों की बाइबलों का उपयोग करते हैं। और अगर आप उनके साथ बहस करना चाहते हैं, तो मांग करें कि वे अपनी झूठी बाइबल को अलग रख दें, और यह कि वे आपकी बहस के दौरान सच्ची बाइबल का उपयोग करते हुए सहन करें।

ऊपर, हम कैथोलिक बाइबिल TOB उद्धृत किया। यह बताना महत्वपूर्ण है कि TOB का अर्थ है (अंग्रेजी में) *"बाइबिल का दुनियावी अनुवाद (ETB)"*, सभी धर्मों को खुश करने के उद्देश्य पर किया गया अनुवाद; सभी संभावित विश्वासों को समेटने के लिए एक निर्मित अनुवाद। तो आपके वहाँ बाइबल की वास्तविक वेश्यावृत्ति, एक बेशर्म वेश्यावृत्ति, परमेश्वर के वचन की एक बेईमान वेश्यावृत्ति है।

4- द सात (7) पूर्वापेक्षाएँ

चाहे आप ऊपर उल्लिखित इन संप्रदायों के साथ काम कर रहे हों, या किसी अन्य संप्रदाय के साथ जिसका उल्लेख नहीं किया गया है, आपको जिस सिद्धांत को लागू करना होना आवश्यक, वही है। किसी भी बाइबिल अध्ययन में उलझाने से पहले, या किसी भी चर्चा में, या किसी के साथ बाइबिल के आसपास किसी भी बहस, आपको पहले निम्नलिखित सात (7) पूर्वापेक्षाएँ पर सहमत होना अनिवार्य:

1- इस तथ्य पर सहमत हों कि बाइबल परमेश्वर का वचन है।

2- इस तथ्य पर सहमत हों कि केवल बाइबल ही परमेश्वर का वचन है, अर्थात कोई अन्य पुस्तक, कोई अन्य दस्तावेज़, कोई अन्य पांडुलिपि, बाइबिल में भी नहीं एक कमेंटरी, परमेश्वर के वचन का प्रतिनिधित्व करती है।

3- इस तथ्य पर सहमत हों कि परमेश्वर बाइबल के एकमात्र लेखक हैं, अर्थात्, बाइबिल में पतरस या यूहन्ना या पौलुस, आदि का कोई शब्द नहीं है।

4- इस बात पर सहमत हों कि पूरी बाइबल हमारे लिए है, अर्थात, वह यह है कि कुरिन्थियों के लिए बाइबिल में कोई संदेश नहीं है, या इफिसियों के लिए, आदि।

5- इस तथ्य पर सहमत हों कि, परमेश्वर द्वारा हमारे निपटान में छोड़ी गई सच्ची बाइबल में 66 पुस्तकें हैं। इन 66 पुस्तकों में पवित्र बाइबल की उन पुस्तकों के नाम होने अनिवार्य जिन्हें हम जानते हैं, और पवित्र बाइबल में प्रस्तुत के रूप में पुस्तकों की सही क्रम में सूचीबद्ध किया जाना होना आवश्यक।

6- इस तथ्य पर सहमत हों कि बाइबल सत्य है।

7- इस तथ्य पर सहमत हों कि जो नहीं लिखा गया है, वह हमें चिंतित नहीं करता है।

आप एक बाइबिल अध्ययन करना चाहते हैं या परमेश्वर का सम्मान करता है, जो बाइबिल, चारों ओर साझा अगर ये सात (7) पूर्वापेक्षाएँ **बिल्कुल** सम्मान किया जाना होना आवश्यक। आपको किसी भी परिस्थिति में, बाइबल के अधिकार को अस्वीकार करने वाले लोगों के साथ बाइबल की बहस में शामिल

आप इस पुस्तक को फोटोकॉपी और वितरित करने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन इसे संशोधित या परिवर्तित मना है।

नहीं होना होना आवश्यक। आपको **जो लिखा गया है उससे आगे** कभी नहीं जाना होना आवश्यक, जैसा कि प्रभु **1कुरिन्थियों 4:6** के इस अध्याय में हमें आज्ञा देता है *"हे भाइयों, मैं ने इन बातों में तुम्हारे लिये अपनी और अपुल्लोस की चर्चा, दृष्टान्त की रीति पर की है,* ***इसलिये कि तुम हमारे द्वारा यह सीखो, कि लिखे हुए से आगे न बढ़ना...*** "**बाइबल** पर बने रहने के लिए जानें, **पूरी** बाइबिल पर और **केवल** बाइबिल पर!

सच्ची बाइबिल 66 पुस्तकों से बनी है, जो निम्नलिखित क्रम में वर्गीकृत हैं:

5- पुराना नियम

उत्पत्ति, निर्गमन, लैव्यवस्था, गिनती, व्यवस्थाविवरण, यहोशू, न्यायियों, रूत, 1शमूएल, 2शमूएल, 1राजा, 2राजा, 1इतिहास, 2इतिहास, एज्रा, नहेमायाह, एस्तेर, अय्यूब, भजन संहिता, नीतिवचन, सभोपदेशक, श्रेष्ठगीत, यशायाह, यिर्मयाह, विलापगीत, यहेजकेल, दानिय्येल, होशे, योएल, आमोस, ओबद्दाह, योना, मीका, नहूम, हबक्कूक, सपन्याह, हाग्गै, जकर्याह, मलाकी। **कुल 39 किताबें।**

6- नया नियम

मत्ती, मरकुस, लूका, यूहन्ना, प्रेरितों के काम, रोमियो, 1कुरिन्थियों, 2कुरिन्थियों, गलातियों, इफिसियों, फिलिप्पियों, कुलुस्सियों, 1थिस्सलुनीकियों, 2थिस्सलुनीकियों, 1तीमुथियुस, 2तीमुथियुस, तीतुस, फिलेमोन, इब्रानियों, याकूब, 1पतरस, 2पतरस, 1यूहन्ना, 2यूहन्ना, 3यूहन्ना, यहूदा, प्रकाशितवाक्य। **कुल 27 किताबें।**

7- रिमार्क

हालाँकि, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि सच्ची बाइबल को शिक्षाओं और रहस्योद्घाटनों में उससे अधिक समृद्ध होना चाहिए था जो हम 66 पुस्तकों की वर्तमान बाइबल में पाते हैं। लेकिन शैतान, कौन अपने एजेंटों के साथ, परमेश्वर के वचन के खिलाफ एक अथक युद्ध छेड़ रहा है, यह सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ किया कि कुछ शिक्षाएँ और रहस्योद्घाटन जो बाइबल में पाए जाने थे, वहां नहीं पाए गए। इसलिए यह स्थापित किया जाता है कि वर्तमान में हमारे पास मौजूद 66 पुस्तकों की बाइबिल, अधूरी है।

आप में से कुछ लोग आश्चर्यचकित हो सकते हैं कि मैं इस बात पर जोर क्यों देता हूं कि हमारी शिक्षाएं और बाइबल अध्ययन केवल 66-पुस्तक पवित्र बाइबल पर आधारित हों जो वर्तमान में हमारे पास है, जब मुझे पता है कि यह अधूरा है। जवाब इस ब्रेथ्रेन है

सबसे पहले, अगर हमें अपनी शिक्षाओं और हमारे बाइबल अध्ययनों को उन पांडुलिपियों पर आधारित करना था जो सभी के लिए उपलब्ध नहीं हैं, और यह कि हमें यकीन भी नहीं है कि परमेश्वर द्वारा अनुमोदित हैं, तो हमारे लिए परमेश्वर के वचन पर सहमत होना लगभग असंभव होगा। दूसरे शब्दों में, यह जानना बहुत मुश्किल होगा कि कौन वास्तव में सच्चाई सिखा रहा है और कौन झूठ सिखा रहा है, या यह जानना कि कौन सी शिक्षा वास्तव में सच है और कौन सी झूठी है।

दूसरे, प्रभु ने यह सुनिश्चित किया है कि उन शिक्षाओं और प्रकटीकरणों के अनुपस्थिति के बावजूद जिन्हें शैतान और उसके एजेंटों ने बाइबल से हटा दिया है, हमें सहेजे जाने के लिए जो जानना आवश्यक है, उसकी अनिवार्यताओं को संरक्षित किया जाता है। इसका मतलब यह है कि शैतान और उसके एजेंटों ने बाइबल से जो शिक्षाएँ और रहस्योद्घाटन निकाले हैं, उनकी अनुपस्थिति हमें स्वर्ग में प्रवेश करने से

नहीं रोक सकती है। प्रभु, अपनी संप्रभुता में, रहस्योद्घाटनों की इस कमी या अनुपस्थिति की भरपाई करने के लिए सावधान है, ताकि हम इससे पीड़ित न हों, और यह कि हम वास्तव में आध्यात्मिक रूप से असंतुलित नहीं हैं।

8- निष्कर्ष

इसलिए, भाइयों, हमें इस 66-पुस्तक बाइबिल से संतुष्ट होना चाहिए जो वर्तमान में हमारे पास हमारे शिक्षण और हमारे बाइबिल अध्ययनों के लिए है। यह बाइबल, हालांकि अधूरी है, इसमें परमेश्वर के बारे में हमें जो जानने की आवश्यकता है, उसमें आवश्यक शामिल हैं, और उसकी सेवा करने के लिए।

शैतान के एजेंट अपने स्वयं के बाइबलों बनाने में जो कार्य कर रहे हैं, वह केवल उस युद्ध की निरंतरता है जो शैतान का शिविर सदियों से, परमेश्वर के वचन के विरुद्ध, वे सब कुछ करके कर रहा है जो वे कर सकते हैं, ताकि सत्य सूर्य के नीचे से पूरी तरह से गायब हो जाए। दुर्भाग्य से नरक के एजेंटों के लिए, और सौभाग्य से हमारे लिए, परमेश्वर के बच्चे, परमेश्वर के वचन के खिलाफ कोई भी लड़ाई, एक हारी हुई लड़ाई है। शैतान और उसके एजेंट कभी भी परमेश्वर के वचन को नष्ट करने में सफल नहीं होंगे, न ही सत्य को गायब करने में।

जैसा कि मैंने आपको प्रभेद पर शिक्षण में कहा था, सत्य को कभी दबाया नहीं जाएगा। परमेश्वर का वचन द सत्य है, और परमेश्वर ने उसके वचन पर नज़र रखने की प्रतिज्ञा की है, और इसकी रक्षा के लिए। सब जो लोग सत्य से लड़ते हैं, वे इसके बजाय एक रेजर ब्लेड के साथ एक बाओबाब काट रहे हैं। जी हां, ये मूर्ख एक प्याले से समुद्र को खाली कर रहे हैं। और अपनी मूर्खता में, वे मानते हैं कि वे एक दिन सफल होंगे। अल्लेलुइया!

यदि प्रभु अनुमति देते हैं, तो मैं इस विषय को आपके लिए एक अन्य शिक्षण में और अधिक विस्तार से विकसित करूंगा।

जो हमारे प्रभु यीशु मसीह से सच्चा प्रेम रखते हैं, उन सब पर अनुग्रह होता रहे॥

आप इस पुस्तक को फोटोकॉपी और वितरित करने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन इसे संशोधित या परिवर्तित मना है।

निमंत्रण

प्रिय भाइयों और बहनों,

यदि आप झूठे कलीसियाओं से भाग गए हैं और जानना चाहते हैं कि आपको क्या करना चाहिए, तो यहां आपके लिए दो समाधान उपलब्ध हैं:

1- देखें कि क्या आपके आस-पास परमेश्वर के कुछ अन्य बच्चे हैं जो परमेश्वर से डरते हैं और खरे उपदेश अनुसार जीना चाहते हैं। यदि आपको कोई मिल जाए, तो बेझिझक उनसे जुड़ें।

2- यदि आप एक नहीं पाते हैं और हमसे जुड़ना चाहते हैं, तो हमारे दरवाजे आपके लिए खुले हैं। केवल एक चीज जो हम आपसे करने के लिए कहेंगे, वह यह है कि पहले उन सभी शिक्षाओं को पढ़ें जो प्रभु ने हमें दी हैं, और जो हमारी वेबसाइट पर हैं www.mcreveil.org, अपने आप को आश्वस्त करने के लिए कि ये शिक्षाएँ बाइबल के अनुरूप हैं। यदि आप उन्हें बाइबल के अनुरूप पाते हैं, और यीशु मसीह के अधीन होने के लिए तैयार हैं, और उसके वचन की आवश्यकताओं के अनुसार जीते हैं, तो हम खुशी के साथ आपका स्वागत करेंगे।

प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम पर होता रहे।